Seventeenth Loksabha

an>

Ttile: Regarding conduct of Hon'ble Member during the proceedings of the House.

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, यह सदन सबका है और सबकी सहमति से सदन चलता है । यह आसन भी आपका है और इस आसन की प्रतिष्ठा बनाना भी आप सबका दायित्व है । मेरा आप सभी माननीय सदस्यों और माननीय मंत्रिगण से भी आग्रह है कि हम जब कभी भी बात करें तो चेयर की तरफ देख कर बात करें । इस सदन में आपस में संवाद न करें, हमारी यह हमेशा कोशिश होनी चाहिए । अगर आपको कोई बात कहनी है तो यह आपका सदन है । यह लोकतंत्र है । इसमें सबको अपनी बात कहने का अधिकार है, इसलिए आप चुनकर आए हैं । लेकिन कोई भी ऐसा शब्द, जिससे हमारी संसद की मर्यादा, मीडिया में या अन्य माध्यमों से इसकी छवि खराब हो, कभी भी हमें ऐसा कोई कृत्य करने का प्रयास नहीं करना चाहिए । हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि किस तरीके से हम सदन की, इस अध्यक्षीय पीठ की, सभापति पीठ की प्रतिष्ठा को बना सकें । मेरा दायित्व बनता है कि मैं सभी माननीय सदस्यों का संरक्षण करूं, उन्हें अपनी बात कहने का मौका दूं ।

मैं चाहूंगा कि माननीय सदस्य ने जो क्षमा माँगी है और सभी दलों ने जो निर्णय किया है, उसके हिसाब से अब भविष्य में कोई माननीय सदस्य ऐसा न करे, ऐसा हमें प्रयास करना चाहिए ।

माननीय अध्यक्ष: आइटम नम्बर 1.

…(व्यवधान)